GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

Grizzly College of Education

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to VBU Hazaribag & JAC Ranchi

Newsletter

Bulletin **ISSUE May - August 2019**

From the Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्राचार्या के नेतृत्व में यह कॉलेज विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष पहचान बनाया है। आपके विकास करने का तरीका बेमिसाल, सरल, पारदर्शी और टिकाऊ है। यह सभी के सम्पूर्ण लाभ की नीति पर आधारित है। निर्णय लेने में कुशल, समय व संसाधनों के प्रबन्धन की क्षमता आपके विशिष्ट गुण हैं। आप जिजीविषा से परिपूर्ण और नवाचार की प्रेरणा देने में अत्यन्त मुखर हैं। विकास की गति शाश्वत रहे - इन्हीं शब्दों के साथ हम आपके टीम के निष्ठावान सदस्यों और प्रशिक्षुओं को ढेर सारी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

From Principal's Desk

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

प्रस्तुत सूचनापत्र कॉलेज के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, संज्ञानात्मक और सृजनात्मक कार्यकलापों को प्रतिबिम्बित करता है। इस सूचनापत्र में आज के संदर्भ में वैसे सभी कार्यक्रमों का समावेश है जो बेहद चर्चा में है। यह पत्रिका शिक्षाविदों, शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षुओं और अन्य पाठकों को अधिक क्रियाशील बनाने में सहायक होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में 1 मई को कॉलेज के N.S.S.इकाई के बैनर तले लोकतंत्र के प्रहरी मतदाता रैली का आयोजन, 9 मई को प्रशिक्षुओं को आवश्यक सामग्रियों का सुलभ तरीके से प्राप्ति से सम्बन्धित पटल का डॉ० युगल किशोर प्रसाद (जे०जे० कॉलेज के प्राचार्य) द्वारा उद्घाटन, 9–10 मई को दो दिवसीय फाईन आर्ट पर कार्यशाला का आयोजन, जिसमें प्रशिक्षुओं ने मनमोहक चित्रकारी के हुनर सीखे, 13–16 मई तक कॉलेज द्वारा गोद लिए गए उपेक्षित गाँव इन्दरवाटांड की बालिकाओं के सुनहरे भविष्य के लिए चार दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन 17 मई को प्रशिक्षुओं द्वारा भौतिक और सामाजिक पर्यावरण पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, 21 जून को योग एक परिष्कृत जीवन का नाम है, के आलोक में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन,12 जुलाई को रिसोर्स पर्सन मनोवैज्ञानिक सुजीत कुमार के निर्देशन में व्याख्यान का आयोजन, 2 जुलाई को पास आऊट प्रशिक्षुओं और कॉलेज अध्यापकों के मध्य प्रगाढ़ सम्बन्ध बनाए रखने और समाज को स्वच्छ व सर्वांगीण विकास के सन्दर्भ में अल्युमिनी मीट का वृहत आयोजन, 15 अगस्त को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन, और 22 अगस्त को बी०एड० 2019–21 के प्रशिक्षुओं का जिला शिक्षा पदाधिकारी, कोडरमा श्री शिव नारायण शाह, निदेशकगण, प्राचार्या और कॉलेज के अध्यापकों सह सदस्यों की उपस्थिति में भव्य स्वागत सह पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

इन शब्दों के साथ मैं निदेशक महोदय का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मेरे कार्यों की सराहना करते हुए मुझे गौरव प्रदान किया है साथ ही मैं अपने टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं को धन्यवाद देना चाहूँगी जिनकी तत्परता और सहयोग से सम्पूर्ण कार्यक्रम सफल हुए हैं।

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month May, June, July & Aug.' 2019

- **Alumni Meet**

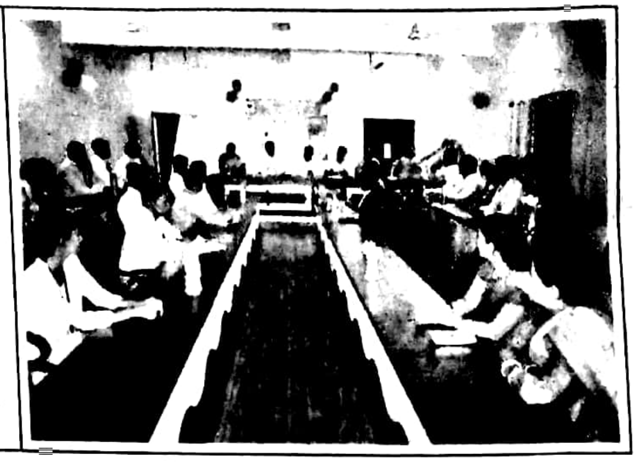

- **Fine Art Classes**

- **Honesty Shop**

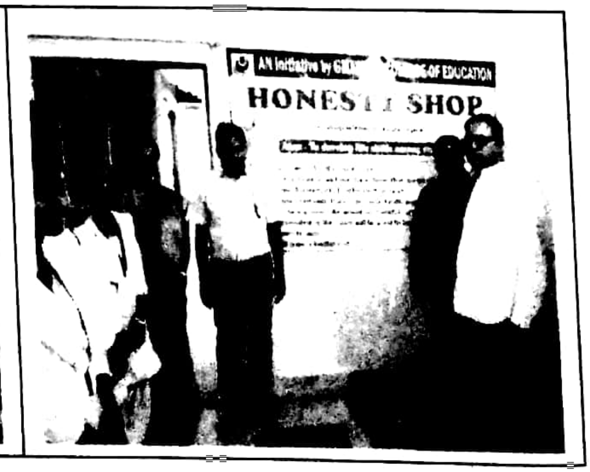

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

- **Lecture on Understanding Individual Differences**

- **Orientation Programme of B.Ed. 2019-21**

बेटियाँ

धूप में छाया, बेटियाँ।
जीवन का साया, बेटियाँ।।
सब कुछ सहे हैं,
कुछ ना कहे हैं
ऐसी हैं बेटियाँ।

इनसे ही दुनियाँ, बेटियाँ।
इनसे ही खुशियाँ, बेटियाँ।।
सपने दबे हैं,
अरमाँ खले हैं
ऐसी हैं बेटियाँ।

अंगने की हलचल, बेटियाँ।
तितलियों सी चंचल, बेटियाँ।।
उड़ने दो इनको
देखेगी दुनियाँ।
ऐसी हैं बेटियाँ।।

जज्बा है जिनमें, बेटियाँ।
हिम्मत है जिनमें, बेटियाँ।।
छुऐंगी नभ को, तोड़ेंगी तारे,
मुटठी जो खोले, बिखेरे उजाले।
ऐसी हैं बेटियाँ।।

आकांक्षा मिश्रा
क्रमांक – 947, बी०एड० 2018–20

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

- **Summer Camp for Adopted Children of Inderwatand Village**

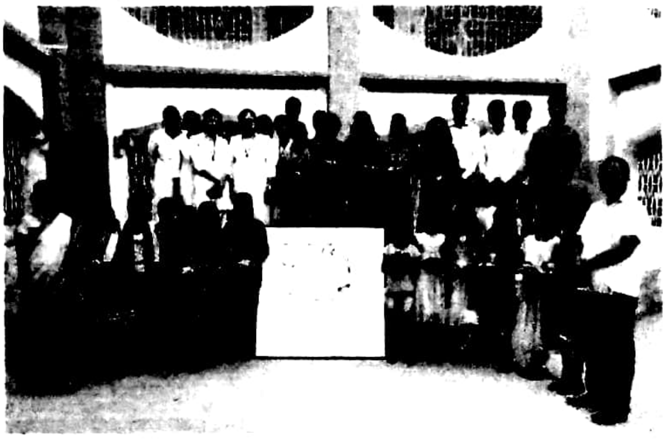

- **Voter Awareness Programme**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

- **Independence Day-2019**

- **International Yoga Day-2019**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

हाइकू

हाइकू जापानी शैली की लघु कविता है। यह तीन पंक्तियों में लिखी जाती है। हिन्दी हाइकू के लिए पहली पंक्ति में पाँच अक्षर दूसरी में सात और तीसरी पंक्ति में पाँच अक्षर, इस प्रकार कुल 17 अक्षर की कविता होती है।

उदाहरण –

1. बाँह उठाए
   खजूर की कतारें
   हमें पुकारें।

2. उम्र हमारी
   बढ़े सौ गुना फिर
   तुम्हें ही लगे।

3. गर्म हवाएँ
   खुली सड़क पर
   बीन बजाएँ।

4. प्रेम का कर्ज
   कभी उतरे नहीं
   बढ़ता जाए।

Mr. Mohit Kumar Tiwari
Asst. Prof.
Grizzly College of Education

राष्ट्रीय एकता के आरम्भिक बिन्दु

राष्ट्रीय एकता के लिए अपेक्षित है कि हम व्यक्तियों के ऊपर ध्यान केन्द्रित करें। व्यक्ति को ही हमें राष्ट्रीय एकता का केन्द्र बिन्दु मानना चाहिए। व्यक्ति ही अपनी क्षमता के अनुसार अपने देश और अपने लोगों के साथ अपने इतिहास और इतिहास द्वारा उसके लिए सृजित स्थिति के साथ अपना तादात्मय स्थपित करता है। ऐसे तादात्मय के द्वारा व्यक्ति अपने देश और अपने लोगों की दशा के लिए अंशतः या अधिकांश रूप में अतीत के खराब कर्मों से हीनता और अच्छे कार्यों से गौरवान्वित होने की जिम्मेदारी स्वीकार करता है। ऐसे व्यक्ति का आचरण एक नैतिक आचार संहिता से प्रभावित होता है। जिसे वह सर्वोच्च एवं लाभप्रद समझता है। इस प्रकार राष्ट्रीय एकता की प्रक्रिया मूलतः व्यक्ति के भीतर जन्म लेती है।

श्री सुरेश सिंह
पुस्तकालयाध्यक्ष

सीप समान बनो

मोती की सीप के समान बनो। यदि स्वाती नक्षत्र में वर्षा की एक बूँद भी उस सीप में पड़ जाती है तो वह मोती बन जाती है, सीप यह बात जानती है। अतः वह स्वाती नक्षत्र के चमकते ही जल की सतह पर आ जाती है और उस मूल्यवान वर्षा की बूँद पाने के लिए प्रतीक्षा करती रहती है। जैसे ही कोई बूँद मुख में प्रवेश करती है, वह सीप तुरंत अपना मुँह बन्द कर लेती है और डुबकी लगाकर समुद्र के तल पर पहुँच जाती है। वहाँ वह संघर्ष करते हुए धैर्यपूर्वक बूँद को मोती का रूप दे देती है। हम वैसे ही बने। पहले सुनें, तब मनन करें और अन्त में सब दुनिया छोड़कर अपने अन्तः करण को वाहय प्रभावों की ओर से बन्द कर लें और अपने अन्दर उस सत्य के पोषण मे लग जाएँ। हमारे जीवन की महानतम सीखों में से एक सीख यह भी है कि कार्य के साधनों पर उतना ही ध्यान देना चाहिए, जितना कि साध्य पर हम साधन को दोष रहित बनायें, साध्य स्वयं ठीक होगा।

Somesh Ranjan, Roll No. - 951, B.Ed. 2018-20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कमजोरी बनी ताकत

जम्मू के एक व्यक्ति हैं – अनंत कुमार। अभी उनकी उम्र 40–42 वर्ष है। जन्म से ही उनके दोनो हाथ और बायाँ पैर काम नहीं करते।

जब वे छोटी कक्षाओं मे पढ़ते थे, कोई बच्चा उनके साथ दोस्ती नहीं करना चाहता था क्योंकि वे अन्य बच्चो की तरह खेल नहीं सकते थे। ब्रेक के समय जब बाकी बच्चे खेलने चले जाते, वे कक्षा–कक्ष में अकेले बैठकर अपने दाहिने पैर से कुछ आड़ी–तिरछी रेखाएँ खींचते रहते थे।

धीरे–धीरे उन्होंने कार्ड बनाना शुरू कर दिया। वे बच्चों के जन्मदिन पर कार्ड बनाकर उन्हे देते, शिक्षको को शिक्षक दिवस पर कार्ड बनाकर देते थे।

एक शिक्षक उनकी इस कला से काफी प्रभावित थे। वे हमेशा अनंत कुमार को अभिप्रेरित किया करते। एक बार विद्यालय मे कुछ निरीक्षक आने वाले थे। शिक्षक ने अनंत कुमार से अतिथियों के लिए कार्ड बनाने को कहा। उन्होंने कार्ड बनाया और अतिथियों को दिया। शिक्षक ने उन लोगों से कहा कि ये बच्चा दिव्यांग है और इसके दोनों हाथ तथा पैर काम नहीं करते।

सहसा उनलोगों को विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने अनंत कुमार को बुलवाया और अपने सामने कार्ड बनाने को कहा। अनंत कुमार ने अपने एक पैर से कार्ड बनाया। यह देखकर अतिथि काफी प्रभावित हुए और अनंत कुमार को 100 रू इनाम दिये। इस घटना ने अनंत कुमार की सोच ही बदल दी। जहाँ वे अपनी दिव्यांगता को लेकर कभी–कभी उदास हो जाया करते थे, वही उन्होंने अपनी सोच को अलग दिशा दी। उन्होंने सोचा – मेरे पास जो चीज नहीं है, उसके बारे मे दु:खी होने के बजाय ईश्वर ने जो चीज मुझे दी है, उसे अपनी ताकत क्यों न बना लूँ।

आज अनंत कुमार एक सफल चित्रकार हैं। देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी इस कला को प्रस्तुत किया है तथा कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं।

मित्रों इस वृतांत के माध्यम से हमें कई चीजें सीखने को मिलती हैं। पहली हम अपनी कमी को देखकर दु:खी होने के बजाय उसे अपना ताकत बनाकर सफलता की ऊँचाईयों को छू सकते हैं। दूसरी – दिव्यागता सफलता के मार्ग में बाधक नहीं हो सकती, तीसरी – यदि किसी बच्चे में कोई विलक्षण प्रतिभा दिखे, तो एक शिक्षक को अभिप्रेरित करना चाहिए क्योंकि शिक्षक द्वारा बोले गए प्रेरणा के कुछ शब्द विद्यार्थी को सफलता की ऊँचाईयों तक पहुँचाने में काफी कारगर होंगे।

चौथी – नकारात्मक सोच में अपनी ऊर्जा को व्यर्थ करने के बजाय हम सकारात्मक सोच के द्वारा अपनी ऊर्जा को एक सही दिशा प्रदान करें।

पूनम कुमारी

क्रमांक – 944

बी०एड० : 2018–20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Achievements

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in May'2019	
Kriti Kumari	905
Om Prakash	913
Nancy Kumari	915
Pinki Kumari	917
Archana Kumari	921
Punam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947
Ravi Mishra	955
Guddi Kumari	995

Best House of The Month May'19 :- Aristotle House

Best House of The Month June'19 :- Vivekanand House

Best House of The Month July'19 :- Radhakrishnan House

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in June'2019	
Kriti Kumari	905
Saloni Bhadani	912
Nancy Kumari	915
Archana Kumari	921
Punam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947
Kalyani Kumari	977
Priya Dadpuri	989
Guddi Kumari	995

100% Attendance for B.Ed. Session 2017-19 in May'2019	
Vikash Kumar	811
Ranju Kumari	851
Chhoti Kumari	872
Rinky Kumari	875
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in May'2019	
Aastha Patel	04
Umesh Kumar	06
Khushboo Kumari	11
Kumari Anamika	24

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in June'2019	
Khushboo Kumari	11

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in July'2019	
Kriti Kumari	905
Archana Kumari	921
Punam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in July'2019	
Khushboo Kumari	11
Sikendra Yadav	14
Seema Kumari Verma	31
Nisha Bhagat	28
Umesh Kumar	06
Reeta Kumari	42

Editorial Board

Chief Editor :-

Dr. Sanjeeta Kumari

Editor :-

Mr. Mohit Kumar Tiwari

Editorial Board Students :-

Aakanksha Mishra
& Somesh Ranjan

To,

Printed At. MANOHAR PRINTING PRESS, JHUMRITELAIYA

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner